SWETA DUBEY
ASST.PROFESSOR,
GSCW B.Ed., PEDAGOGY OF SCHOOL SUBJECT
ECONOMICS,SEM-2, PAPER-VII A UNIT-I

TOPIC- MEANING OF ECONOMICS SUBJECT

PART-II

Scanned with CamScanner

अर्थशास्त्र के जन्मदाता एडम स्मिथ ने (Wealth of Nations) पुस्तक लिखी । इससे पहले भी अर्थशास्त्र से संबन्धित विषयों पर पुस्तकें लिखी गयी थी जैसे North dh Defence of Free Trade, Petty की Analysis of Theory of Value; Steuart dh Principles, परन्तु इन पुस्तकों में आर्थिक विचारों का एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित रूप नहीं दिया जा सका था । बहुत से लोग निर्बाधावादियों (Physiocrats) को अर्थशास्त्र का प्रतिस्थापक मानते हैं । जीड एवं रिस्ट के अनुसार, निर्वाधावादियों को मौलिकता और शक्ति के बावजूद उन्हें

Scanned with CamScanner

अर्थशास्त्र का पूर्वकल्पक ही कहा जा सकता है, यह भी निर्विवाद है कि एडम स्मिथ ही इसका सच्चा प्रतिस्थापक है ।

एडम स्मिथ के जमाने से लेकर आज तक विभिन्न अर्थशास्त्रियों ने अर्थशास्त्र को भिन्न-भिन्न परिभाषाएं दी है । इसलिए अर्थशास्त्र का सही अर्थ समझने के लिये, नीचे इस विषय की प्रमुख प्रवृतियों और उनके समर्थकों के विचारों का वितरण दिया:-

Scanned with CamScanner

1 धन का विज्ञान (Science of Wealth)

प्राचीन अर्थशास्त्रियों ने सम्पत्ति या धन को केन्द्र बिन्दु मानकर अर्थशास्त्र को परिभाषित किया। इस विचारधारा के प्रमुख समर्थक एडम स्मिथ, जे.बी.से. और वाकर है, जिनकी परिभाषाएं नीचे दी जा रही हैं -

एडम स्मिथ : अर्थशास्त्र में राष्ट्रों की सम्पत्ति का स्वरूप और उसके कारणों की छानबीन की जाती है।

जे.बी.से. : अर्थशास्त्र वह शास्त्र है जो धन की विवेचना करता है।

वाकर : अर्थशास्त्र ज्ञान की वह शाखा है जो धन से संबन्धित है।

उपर्युक्त परिभाषाओं में धन को अनुचित रूप से प्राधान्य प्रदान किया गया है जिससे एक भ्रमात्मक धारणा यह पैदा हुई कि अर्थशास्त्र धन कमाने के उपायों का शास्त्र है। अर्थशास्त्र के अध्ययन में 'मनुष्य' को एक गौण स्थान दिया गया है और धन जो कि मनुष्य की केवल 'भौतिक समृद्धि" का साधन मात्र है अधिक महत्ता दी गयी। धन को भी बहुत संकुचित अर्थो में लिया गया अर्थात् स्पर्श दृष्टिगोचर तथा भौतिक वस्तुएं, जिससे कि अर्थशास्त्र का क्षेत्र संकुचित हो गया। इस प्रकार से इन परिभाषाओं में एक आर्थिक मनुष्य की कल्पना की गई जो कि केवल धन कमाने के लिये ही कार्य करता है जबकि वास्तविकता यह है कि मनुष्य बहुत से कार्य मानवता के नाते भी करता है।

Scanned with CamScanner

इन्हीं पहलुओं को सामने रखकर कार्लाइल, रस्किन, मोरिस, डिकेन्स जैसे विद्वानों ने अर्थशास्त्र को "कुबेर का सन्देश", "निकृष्ट व दुःखदायी विज्ञान" , "रोटी टुकडे का विज्ञान" कहा ।

2 भौतिक कल्याण का विज्ञान (Science of Material Welfare)

अर्थशास्त्र को धन का विज्ञान माने जाने पर जिस प्रकार इस विषय की कटु आलोचनाएं की गयी, उससे बहुत से अर्थशास्त्रियों जैसे मार्शल, पीगू, कैनन, पेन्सन, फेयर चाइल्ड आदि ने इन त्रुटियों को दूर करने का प्रयत्न किया । इनके द्वारा दी गयी परिभाषाओं में मनुष्य को प्रधान माना गया और धन को उसके कल्याण का एक साधन । इस प्रकार से अर्थशास्त्र अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य मानव और उसका कल्याण है । इस मत के कुछ मुख्य समर्थकों की परिभाषाएँ नीचे दी जा रही हैं -

Scanned with CamScanner

मार्शल : अर्थशास्त्र जीवन के साधारण व्यवसाय में मनुष्य की क्रियाओं का अध्ययन है। यह इस तथ्य की विवेचना करता है कि वह किस प्रकार धन प्राप्त करता है और वह किस प्रकार उसका उपयोग करता है। इस प्रकार यह एक ओर धन का अध्ययन करता है और दूसरी ओर, जो कि अधिक महत्वपूर्ण है, मानव अध्ययन का एक भाग है।

पीगू : अर्थशास्त्र भौतिक कल्याण का अध्ययन है, इससे हमारा अभिप्राय सामाजिक कल्याण के उस भाग से है, जिसे मुद्रा के मापदण्ड से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबन्धित किया जाता है।

Scanned with CamScanner

कैनन : राजनीतिक अर्थशास्त्र का उद्देश्य उन सामान्य कारणों का स्पष्टीकरण करना है, जिन पर मानव का भौतिक कल्याण निर्भर करता है ।

मार्शल और उनके साथियों की परिभाषाएँ बहु त समय तक मान्य रहीं । बाद में रॉबिन्सन जैसे आलोचकों ने इन परिभाषाओं की तीव्र आलोचना की । इन आलोचकों का विचार है कि अर्थशास्त्र में केवल भौतिक वस्तुओं का ही अध्ययन नहीं किया जाता बल्कि अभौतिक साधनों का भी अर्थशास्त्र में अध्ययन किया जाता है । यह आवश्यक नहीं है कि मनुष्य के सभी कार्यो से मानव कल्याण में वृद्धि होती है फिर मानव कल्याण को मापना अति कठिन है । चूकिं अर्थशास्त्र एक वास्तविक विज्ञान है, इसलिए इस तरह के प्रश्न कि कौन-सा कार्य मानव के कल्याण से सम्बन्धित है और कौनसा नहीं, इसके क्षेत्र के अन्तर्गत नहीं आते हैं इसी प्रकार से आलोचकों, विशेषतया राबिन्सन ने यह भी कहा कि अर्थशास्त्र में आर्थिक एवं अनार्थिक दोनों क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है क्योंकि साधनों में न केवल धन का समावेश होता है बल्कि- समय का भी, ये साधन सीमित हैं और उनके अनेक उपयोग हो सकते हैं जिससे चुनाव की समस्या सामने आती है । यह चुनाव संबंधी कार्य आर्थिक है चाहे इसका संबंध धन से हो या न हो ।

Scanned with CamScanner

3 सीमित साधनों का विज्ञान (Science of Searce Resources)

राबिन्स एवं उसके अनुयायियों फीडमैन, केर्यनकोस, स्टिगलर आदि ने अर्थशास्त्र को सीमित साधनों का विज्ञान बताया। निम्नांकित परिभाषाओं से यह बात स्पष्ट हो जाती है।

राबिन्स : अर्थशास्त्र वह विज्ञान है जिसमें साध्यों और वैकल्पिक प्रयोग वाले सीमित साधनों से संबन्धित मानव व्यवहार का अध्ययन किया जाता है।

फीडमैन : अर्थशास्त्र व विज्ञान है, जिसमें इस बात का अध्ययन किया जाता है कि कोई समाज-विशेष अपनी आर्थिक समस्याओं को कैसे हल करता है। एक आर्थिक समस्या उस समय मौजूद रहती है जबकि सीमित साधन वैकल्पिक साध्यों की सन्तुष्टि में लगाए जाते हैं।

रोबिन्स और उसके अनुयायियों की परिभाषाओं में निम्नलिखित मूल तत्व हैं-

(अ) मनुष्य की आवश्यकतायें अनन्त हैं और उनकी तीव्रता में अन्तर पाया जाता है।

(ब) आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उपलब्ध साधन सीमित होते हैं।

(स) सत्य साधनों के बहुत से प्रयोग हो सकते है।

Scanned with CamScanner

इसलिए मनुष्य के सामने हमेशा चुनाव की समस्या रहती है कि बहु उपयोगात्मक सीमित साधनों की विभिन्न आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिये किस प्रकार से प्रयोग किया जाये कि उसे अधिकतम संतुष्टि प्राप्त हो सके।

इस प्रकार से यह स्पष्ट है कि अर्थशास्त्र चुनाव की समस्या से सम्बन्ध रखने वाले मानव व्यवहार का अध्ययन करता है। साध्य और साधन की अच्छाई ब बुराई से अर्थशास्त्री का कोई संबंध नहीं होता है। इस प्रकार की विचारधारा अर्थशास्त्र के विषय को अधिक वैज्ञानिक एवं सार्वभौमिक बना देती है।

राबिन्स और उसके साथियों की परिभाषाओं की भी आलोचना हुई। आलोचकों का विचार है कि अर्थशास्त्र को केवल वास्तविक विज्ञान मानना अनुचित है। ऐसी धारणा अर्थशास्त्र विषय को महत्वहीन बना देती है। अर्थशास्त्र के अध्ययन का अन्तिम लक्ष्य मानव कल्याण ही होना चाहिए। इसके अतिरिक्त राबिन्स ने अर्थशास्त्र के क्षेत्र को अनावश्यक रूप से विस्तृत कर दिया और उसकी परिभाषा में प्रयुक्त साधन एवं साध्य शब्दों का अन्तर स्पष्ट नहीं है।

Scanned with CamScanner

4 विकास सम्बन्धी विज्ञान (Sceience Related to Growth)

राबिन्स को परिभाषा के तत्वों को आधार मानकर सेमुअल्सन ने अर्थशास्त्र की एक विकास केन्द्रित परिभाषा दी है, जो इस प्रकार है-

अर्थशास्त्र इस बात का अध्ययन है कि शक्ति और समाज मुद्रा की सहायता से या मुद्रा की सहायता के बिना, किस प्रकार अनेक प्रयोग में आ सकने वाले उत्पादन के सीमित संसाधनों का चुनाव, एक समयावधि में विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन में और उनको समाज में विभिन्न शक्तियों और समूहों में उपभोग हेतु वर्तमान व भविष्य में बॉटने के लिये करते हैं ।

Scanned with CamScanner

सेमुअल्सन द्वारा दी गयी उपर्युक्त परिभाषा काफी अच्छी मानी जाती है क्योंकि इसमें राबिन्स की परिभाषा की अच्छी बातों को लेते हुए समय तत्व को भी सम्मिलित किया गया है जिससे कि विकास से संबन्धित पहलू उजागर हुआ और विकास ही आज के समाज का लक्ष्य है।

अभी हमने जिन चार विचारधाराओं का अध्ययन किया है, उसके आधार पर यह कहा जा सकता है कि अर्थशास्त्र की विषय-वस्तु का सबक प्रतियोगी साध्यों में सीमित साधनों के बटवारें से होता है। यह समस्या न केवल व्यष्टि अर्थशास्त्र (Micro Economics) में अक्सर समप्रत्यय में नजर आती है बल्कि समष्टि अर्थशास्त्र (Macro Economics) और आर्थिक विकास में भी नजर आती है।

Scanned with CamScanner